समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

लाहौर मे नौमान खान ने किया कमाल, 10 विकेट लेकर साउथ अफ्रीका की धरती पर चली पाकिस्तान की जीत

Publisher

Published on 15 Oct 2025

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए टेस्ट मैच में पाकिस्तान के अनुभवी स्पिनर **नौमान खान** ने 39 साल की उम्र में कमाल का प्रदर्शन कर साउथ अफ्रीका की टीम को पूरी तरह धराशायी कर दिया। नौमान ने इस मैच में कुल **10 विकेट** लिए और अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई। उनके इस प्रदर्शन ने क्रिकेट प्रेमियों और विशेषज्ञों का ध्यान खींचा और उन्हें "साउथ अफ्रीका के लिए काल" के रूप में याद किया जाने लगा।

इस मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और सीमित समय में मजबूत स्कोर बनाया। लेकिन असली कहानी नौमान खान की गेंदबाजी थी, जिसने साउथ अफ्रीका की मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप को चौंका दिया। उनके विविध स्पिन, शानदार नियंत्रण और अनुभव ने विरोधी बल्लेबाजों को बार-बार फंसाया।

पहली पारी में नौमान ने अपनी धारदार स्पिन से 5 विकेट लिए और साउथ अफ्रीका को संघर्ष करने पर मजबूर कर दिया। उनके इन विकेटों में कई अहम खिलाड़ी शामिल थे, जिनकी आउटिंग से विपक्षी टीम का मनोबल पूरी तरह टूट गया। दूसरी पारी में भी नौमान ने अपनी गति और विविधताओं का कमाल दिखाया और 5 और विकेट लेकर **मैच मे कुंल 10 विकेट** लेने का अनोखा रिकॉर्ड बनाया।

विशेषज्ञों का कहना है कि नौमान खान की उम्र 39 साल हो सकती है, लेकिन उनका अनुभव, मानसिक मजबूती और तकनीक उन्हें युवा गेंदबाजों से कहीं आगे रखती है। उनकी स्पिनिंग तकनीक और गेंदबाजी की समझ ने साबित किया कि क्रिकेट में उम्र केवल एक संख्या है, जबकि अनुभव और कौशल असली ताकत हैं।

पाकिस्तान की इस जीत ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक संदेश भी दिया कि टीम के लिए अनुभव और धैर्य से भरे खिलाड़ी हमेशा कीमती होते हैं। नौमान की यह उपलब्धि पाकिस्तान के क्रिकेट इतिहास में यादगार रहेगी। फैंस और क्रिकेट विश्लेषक

उनकी तारीफ कर रहे हैं और उन्हें इस सीरीज का स्टार खिलाड़ी बता रहे हैं।

साउथ अफ्रीका की टीम के लिए यह मैच बिल्कुल आसान नहीं था। शुरुआती बल्लेबाज नौमान की स्पिन के सामने टिक नहीं सके और लगातार विकेट गंवाते गए। मैच के दौरान पाकिस्तानी फील्डिंग ने भी शानदार प्रदर्शन किया, जिससे नौमान की गेंदबाजी और प्रभावशाली बनी। इस जीत ने पाकिस्तान को सीरीज में बढ़त दिलाई और दर्शकों के बीच उत्साह भर दिया।

मैच के बाद नौमान खान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्होंने हमेशा अपने अनुभव और मानसिक मजबूती पर भरोसा रखा। उन्होंने यह भी कहा कि इस उम्र में फिटनेस और अनुशासन बनाए रखना सबसे जरूरी है और उनका उद्देश्य टीम को जीत दिलाना था। उनके इस बयान से स्पष्ट है कि नौमान सिर्फ व्यक्तिगत सफलता के लिए नहीं बल्कि टीम की जीत के लिए प्रतिबद्ध हैं।

क्रिकेट विश्लेषकों का कहना है कि नौमान खान की यह गेंदबाजी भविष्य के स्पिनर्स के लिए प्रेरणा होगी। उन्होंने दिखाया कि सही तकनीक, मानसिक दृढ़ता और अनुभव से युवा और मजबूत टीमों को भी मात दी जा सकती है। उनके 10 विकेट ने न केवल मैच का रुख बदला बल्कि साउथ अफ्रीका के बल्लेबाजों की प्रतिष्ठा पर भी प्रभाव डाला।

साउथ अफ्रीका की टीम के कोच और कप्तान मैच के बाद मान रहे थे कि नौमान खान ने उनके बल्लेबाजों के खिलाफ बेहतरीन रणनीति अपनाई और उन्हें पूरी तरह चौंका दिया। उन्होंने कहा कि नौमान के खिलाफ खेलना बेहद कठिन था और उनके विविध स्पिन और नियंत्रण ने विपक्षी टीम के खेल को प्रभावित किया।

इस मैच की खासियत यह रही कि नौमान खान ने अपनी उम्र और अनुभव का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर साबित किया कि **क्रिकेट मे उंम्र केवल संख्या है, जुनून और तकनीक की कोई उम्र नहीं होती।** उनके प्रदर्शन ने पाकिस्तानी क्रिकेट फैंस में खुशी और उत्साह भर दिया है और उन्हें सीरीज का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना दिया है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.